

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

सौ. रुपाली गजानन काळे : आदिवासी समुदाय को केवल रोजगार नहीं, उद्योग का स्वामित्व देने की अनूठी पहल

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



रोजगार से आगे बढ़कर उद्योग में हिस्सेदारी का मॉडल

महाराष्ट्र के मेलघाट क्षेत्र में आदिवासी समुदाय के आर्थिक विकास के लिए पिछले दो दशकों से प्रयासरत सौ. रुपाली गजानन काळे ने सामाजिक उद्यमिता की एक अलग राह अपनाई है। 'ड्रीम' संस्था के माध्यम से उनका प्रयास स्थानीय वन उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराने और उनसे होने वाली आय के जरिए आदिवासी समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर केंद्रित है। शहद, कुटकी और अन्य स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुँचाना उनकी पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मेलघाट में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध वन उत्पादों को उचित मूल्य नहीं मिलने की समस्या को समझते हुए रुपाली काळे ने इन उत्पादों का प्रसंस्करण करके सीधे ग्राहकों तक पहुँचाने की दिशा में काम शुरू किया। इसी उद्देश्य से उन्होंने **कोरकू एग्रो प्राइवेट लिमिटेड** कंपनी की स्थापना की। इस पहल की विशेषता यह है कि लगभग 250 कोरकू आदिवासी समुदाय के सदस्यों को कंपनी के शेयर देकर उन्हें व्यवसाय के स्वामित्व में भागीदार बनाने का प्रयास किया गया।

इस मॉडल के पीछे विचार स्पष्ट है—स्थानीय समुदाय केवल अपने संसाधनों से प्राप्त उत्पादों का संग्रह या आपूर्ति करने तक सीमित न रहे, बल्कि उन उत्पादों के प्रसंस्करण, विपणन और व्यवसाय से मिलने वाले अवसरों में भी उसकी भागीदारी हो। इस तरह यह पहल रोजगार के साथ-साथ उद्यम के स्वामित्व और सामुदायिक भागीदारी को भी महत्व देती है।

चुनौतियों से सीखकर आगे बढ़ने का सफर

इस पहल को आगे बढ़ाने के दौरान रुपाली काळे को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जंगल से प्राप्त प्राकृतिक शहद के गुणों और तापमान के अनुसार उसमें होने वाले स्वाभाविक बदलावों के बारे में ग्राहकों में पर्याप्त जानकारी नहीं थी। इसके कारण शुद्ध शहद को लेकर गलतफहमियाँ पैदा हुईं। कुछ अवसरों पर उत्पाद वापस आने और आर्थिक नुकसान जैसी परिस्थितियाँ भी सामने

आई ।

इन कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने प्रयास जारी रखे । विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लिया और आधुनिक मशीनरी तथा तकनीक की सहायता से प्रसंस्करण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम किया । यह अनुभव दर्शाता है कि स्थानीय उत्पादों को बाजार में स्थापित करने के लिए केवल उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती; गुणवत्ता प्रबंधन, उत्पाद की प्रकृति के बारे में ग्राहक जागरूकता और भरोसेमंद प्रसंस्करण व्यवस्था भी महत्वपूर्ण हैं ।

स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने की पहल

शहद के साथ-साथ इस उद्यम के अंतर्गत 'ब्ल्यू हनी' या 'सियान हनी' नाम से एक उत्पाद भी बाजार में लाया गया है । इसके अतिरिक्त कुटकी जैसे मोटे अनाज और जगनी तेल की बिक्री भी शुरू की गई है । इन उत्पादों के प्रसंस्करण और विपणन के लिए आवश्यक मशीनरी उपलब्ध कराने हेतु रुपाली काळे ने सीएमजीपी योजना के अंतर्गत ऋण लिया ।

उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुँचाने के लिए ऑनलाइन बिक्री सहित विभिन्न माध्यमों का उपयोग करने के प्रयास भी जारी हैं । स्थानीय संसाधनों से तैयार उत्पादों को व्यवस्थित रूप से बाजार तक पहुँचाने की यह प्रक्रिया आदिवासी समुदाय के पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय उत्पादों के लिए नए व्यावसायिक अवसर विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है ।

सामाजिक विकास से जुड़ी उद्यमशीलता

रुपाली काळे की पहल केवल व्यावसायिक गतिविधि तक सीमित नहीं है । 'ड्रीम' संस्था के माध्यम से उनका व्यापक उद्देश्य आदिवासी समुदाय के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देना है । स्थानीय वन उत्पादों को बाजार से जोड़ने और समुदाय के सदस्यों को कंपनी के स्वामित्व में भागीदारी देने का प्रयास इस सोच को दर्शाता है कि आर्थिक सशक्तीकरण तब अधिक सार्थक बन सकता है, जब समुदाय स्वयं विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार हो ।

मेलघाट जैसे क्षेत्र में स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्यम विकसित करना, उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर काम करना और बाजार तक पहुँच बनाने के प्रयास करना कई स्तरों पर सहयोग और निरंतरता की माँग करता है । रुपाली काळे की यात्रा इसी दिशा में सामाजिक उद्देश्य और व्यावसायिक दृष्टिकोण को जोड़ने का उदाहरण प्रस्तुत करती है ।

सामुदायिक भागीदारी से सशक्तीकरण की दिशा में

आदिवासी समुदाय को केवल रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के बजाय उद्योग में हिस्सेदारी देने का विचार इस पहल को विशिष्ट बनाता है । स्थानीय उत्पादों का प्रसंस्करण, विपणन और बिक्री समुदाय की भागीदारी के साथ आगे बढ़े—यह रुपाली गजानन काळे के प्रयासों का प्रमुख आधार है ।

'ड्रीम' संस्था और कोरकू एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से उनकी पहल यह संदेश देती है कि सामाजिक विकास और उद्यमशीलता एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं । स्थानीय संसाधनों को अवसर में बदलने और समुदाय को आर्थिक गतिविधियों का सहभागी बनाने का उनका प्रयास सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में प्रेरणा देने वाला है ।

संपर्क विवरण

- मोबाइल : 9420126091 / 8208100000
- ई-मेल : dreamngo.teosa@gmail.com
- वेबसाइट : www.korkdtore.com
- वेबसाइट : www.dreamngo.in